

→ इनामजोंव

मध्य ताम्रपाषाण काल के लोग ग्रामीण समुदाय के थे परन्तु इनामजोंव में शहरीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी थी।

→ पमाखाद

- * जटरीकरण के माध्य प्राप्त हुआ
- * यहां से भारी मात्रा में कांस्य की वस्तुएं प्राप्त हुईं।
- * इस पर हिंदू सम्प्रदाय का प्रभाव परिलक्षित होता है।
- * यह ताम्रपाषाण और हिंदू सम्प्रदाय दोनों ही संबंधित स्थल है।

लोमाजोंव विभेद

इस काल में लोमाजोंव अस्मानता का आभास लोगों के आवासक्रम एवं मिन्न-मिन्न शोधन प्रक्रिया से मिलता है।

→ ताम्रपाषाण काल के लोग वस्त्र-निर्माण की कला सीख चुके थे।

→ ताम्रपाषाण काल में कुम्भकार, धातुकार, लोहारों के शिल्पी, वेगलिया बनाने वाले कारीगर मिलते हैं।

- * ताम्रपाषाण काल का कृदमांड काला एवं लाल था।
- * सर्वप्रथम चित्रित कृदमांडी का प्रयोग ताम्रपाषाण काल के लोगों ने किया।
- * ताम्रपाषाण काल के लोग ने सर्वप्रथम भारतीय उपमहाद्वीप में ग्रामीण वास्तुओं बनाई।
- * गुंठारिया (मध्य प्रदेश) से सर्वोच्च ताम्रपाषाणकालीन वस्तुएं मिली हैं।

સંખ્યાતા	સંદર્ભતા
પ્રશ્ન તન/મૂર્ત આચાર/અવધાર	અપ્રશ્ન મન/અમૂર્ત વિચાર
ઉત્તમન-મતન/મરિવતન	અગત્યતનશીલ/નિવંતરતા

KGS



IAS